**AMOGHVARTA**

**ISSN : 2583-3189**

# छत्तीसगढ़ के रायपुर और नया रायपुर में तुलनात्मक अध्ययन

**ORIGINAL ARTICLE**

**Author**
**नीलू अग्रवाल**
सहायक प्राध्यापक (मास्टर इन सोशल वर्क)
अग्रसेन महाविद्यालय
पुरानी बस्ती, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

## शोध सार

*रायपुर भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित एक नगर है, यह राज्य की राजधानी है और रायपुर जिले का मुख्यालय है। रायपुर छत्तीसगढ़ राज्य का सबसे बड़ा शहर होने के साथ–साथ राज्य का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र भी है। छत्तीसगढ़ के विभाजन के पूर्व रायपुर मध्य प्रदेश का एक अंग था। रायपुर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में भारत का छठवां सबसे बड़ा स्वच्छ नगर घोषित किया गया था। रायपुर को व्यापार के लिए देश का सबसे बड़ा अच्छा शहर माना जाता है। रायपुर स्टील एवं लोहे के बड़े–बड़े बाजारों में से एक है। यहां लगभग 200 से स्टील रोलिंग मिल, 195 स्पंज आयरन प्लांट कम से कम 6 स्टील प्लांट, 60 प्लाईवुड कारखाने, 35 ऑयल प्लांट और 500 कृषि उद्योग है। रायपुर में 800 से अधिक राइस मिल प्लांट है।*

## मुख्य शब्द

*कारखाना, जनसंख्या, कृषि, उद्योग.*

## प्रस्तावना

रायपुर भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में एक ऐसा नगर है, यहां राजाओं ने राज किया और रायपुर शहर अपने आप बढ़ती गई और उसे तरह से जैसी जरूरत हुई उसे तरह से वहां पर नए–नए कार्य नए–नए बाजार बांटे गए। यहां के बाजारों में रायपुर पुरानी बस्ती के टुरी हटरी, गोल बाजार, मालवीय रोड के पास के पास जवाहर बाजार अनेक स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों के जमाने से बने हुए हैं। यहां पर बड़ी मात्रा में बाहर से लाए हुए कच्चे माल तथा अंग्रेज शासन के बाजार और उनके चिन्हित उद्यान और स्वतंत्रता संग्राम के पहले के सरोवर इत्यादि है। समय के प्रभाव से रायपुर के का रूप बदलते गया और विस्तार लेते गया। अनेक लोग बाहर से आकर रायपुर में बसे और अपना व्यापार करते गए।

जिस तरह कोई कस्बा गांव में परिवर्तित होता है तथा गांव शहरों में परिवर्तित होता है उसी प्रकार रायपुर भी नए रायपुर के रूप में परिवर्तित हो रहा है जिसे हम नए रूप से और सरकार के योजनाओं के आधार पर नियोजित ढंग से नए रायपुर में सारी सुविधाओं के साथ में व्यवस्थित देख पा रहे हैं और प्रतिदिन नए–नए कार्य नए रायपुर में किया जा रहे हैं इस शोध में हम पुराना रायपुर व नया रायपरु का अध्ययन करेगें।

## शोध विधि

आंकड़ो के संकलन हेतु प्रकाशित ग्रंथ, विभिन्न पत्र पत्रिका व आलेखों का सहारा लिया गया है तथा दैनिक भास्कर की पत्रिका व अन्य समाचार पत्र के आधार पर शोध पत्र तैयार किया गया है।

## पुराना रायपुर

पुराने रायपुर में हमारे छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, बोली खान–पान की पारंपरिक झलक दिखाई देती है। यहां पर रहने वाले लोगों में आज भी अपनी जाति, धर्म की राजशाही परंपरा की झलक मिलती है। अंग्रेजों के शासनकाल के समय से बने हुए मठ, भवन, बाजार, मंदिर, अखाड़े, उद्यान आज भी उसी प्रकार से देखे जा सकते हैं जिसका रखरखाव परंपरा के आधार पर किया जा रहा है। 100 साल वर्ष के पूर्व से पुरानी वृक्ष शाखाएं और वह रास्ते मार्ग आज भी वही काम में आ रही है। समय के अनुसार थोड़ा–थोड़ा बदलाव किया गया है। राहगीरों को वहीं पेड़ छाया दे रही है और वही रास्ते अपनी मंजिल तक लेकर जाते हैं। रायपुर के सौंदर्य करण व लाइटिंग का मजा उठाने दूर–दूर से लोग यहां आते हैं। यहां पर अनेक त्यौहार जैसे रायपुर में गणपति विसर्जन के लिए रायपुर के आसपास के शहरों के लोग देखने आते हैं।

स्वतंत्रता संग्राम से पहले यहां पर अनेक स्वतंत्रता सेनानीयो का भी रायपुर में आगमन हुआ तथा उनके ठहरने के अनेक स्थान आज भी मौजूद हैं जैसे आनंद भवन, कंकाली पारा, दूधाधारी मठ, बूढ़ा पारा तथा आजाद चौक इन्हीं सब की यादें दिलाता है। स्वतंत्रता संग्राम के समय में अनेक सेनानी रायपुर में आकर ठहरे और यहां पर अनेक बैठक (स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए) हुआ करती थी। स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी जैसे अनेक एक हस्तियां रायपुर में आकर रही और उन्होंने अपना वक्तव्य यहां दिया।

## नए रायपुर को अध्ययन के रूप में

1 नवंबर सन् 2000 में बने छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर को प्रशासनिक केंद्र बनाया गया इसके लिये जो नया रायपुर कहलाता है। वर्तमान रायपुर से 25 किलोमीटर दूर एक नए शहर का सृजन किया गया है।

नया रायपुर को छत्तीसगढ़ सरकार ने पूरी योजनाओं के साथ एवं रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, उद्यान, स्टेडियम, पार्किंग सभी चीज पूर्ण व्यवस्था के साथ में प्रोजेक्ट अच्छी इंजीनियर के साथ मिलकर पूरी प्लानिंग के साथ में बनाया जा रहा है। आगे चलकर नया रायपुर पूर्ण सुविधाओं वाला विकसित शहर बन सके एवं अनेक बड़ी–बड़ी कंपनियो का नए रायपुर में आगमन हो सके, व उसके विस्तार से लोग अधिक से अधिक लाभ उठा सके, ऐसी परियोजना सरकार के द्वारा पूर्ण सुविधाओं के रूप में बनाई जा रही है।

नया रायपुर का कुल क्षेत्र फल 80000 हेक्टर है। नए रायपुर में 225 किलोमीटर पक्की सड़क है। नया रायपुर के क्षेत्र पर सदा में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाया गया है। यह स्टेडियम रायपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर ग्राम परसदा मंदिर हसोद में है। नया रायपुर से बिलासपुर जाने वाले मार्ग पर डॉक्टर खूबचंद बघेल ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किया गया है। 98 एकड़ के क्षेत्र में विकसित किया गया है। यहाँ एकसाथ 3000 ट्रको की पार्किंग की जा सकती है। यही कारण है कि इसे देश के सर्वसुविधा युक्त ट्रांसपोर्ट नगर के रुप मे माना जा रहा हैं।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोकाचार के संबंध में एक खुले संग्रहालय का नाम है पुरखौती मुक्तांगन। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, पुरातत्व, पर्यावरण और जीव सृष्टि की सन्निधि में विकास की कल्पना को साकार करने हेतु पुरखौती मुक्तांगन रायपुर से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम ऊपरवारा में लगभग 200 एकड़ भूमि में स्थित है।

## निष्कर्ष

पुराना रायपुर व नया रायपुर का अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि पुराने रायपुर मे लोगो की बसाहट अधिक है, व यहां पर पुराने तरीको से यातायात व्यवस्था व विभिन्न साधन है, इसके विपरीत नया रायपुर को नये

परिदृश्य के साथ, नियोजित तरीके से सरकार द्वारा नये रूप मे बसाया जा रहा है जा निश्चित तौर पर लोगो को आकर्षित कर रही है, वहां निवेश करने के लिये आने वाले समय में यह क्षेत्र देश–विदेश में अपनी एक विशेष पहचान बनायेगी।

## संदर्भ सूची

1. ग्रोवर बी.एल. एवं यशपाल (1995) *आधुनिक भारत का इतिहास,* एस. चॉद एण्ड कंपनी लि., रामनगर नईदिल्ली।
2. दत्त गौरव, (2004) *भारतीय अर्थव्यवस्था,* अश्वनी महाजन एवं सुन्दरम।
3. देवी माधव हर, *छत्तीसगढ़ अर्थव्यवस्था,* छत्तीसगढ़ हिंदी ग्रंथ अकादमी।
4. Kapila Uma, (2007) *Indian economic: Performance Policies,* Academic Foundation.
5. *शोध समागम,* छत्तीसगढ़ में कृषि योजना व प्रभाव (2020) जनवरी से मार्च, आशीष दुबे।

––==00==––